धागे का बंधन

कच्चा धागा टूट जाता है । बटा हुआ धागा भी झटक देने से टूट सकता है । लेकिन स्नेह का धागा आसानी से टूटता नहीं । भारत में राखी पूर्णिमा के दिन बहन भाई की कलाई में राखी बाँधती है । यह स्नेह का धागा तो कभी नहीं टूटता । बहन भाई के मुहँ में मिठाई भर देती है । भाई जान की बाजी लगाकर बहन की हर तरह से रक्षा करता है । भाई बहन के प्यार की एक ऐसी मशहूर ऐतिहासिक घटना है । यह किसी कहानी से कम नहीं ।

मेवाड़ राजस्थान का एक राज्य है । उसके अधिवासी बड़े वीर होते हैं । वे मरना जानते हैं, मगर हारना नहीं जानते । एक बार उस राज्य पर दुश्मन अहमद शाह ने हमला किया । राजा ने वीरगति पाई । कुछ दिन बाद अहमद शाह ने फिर धावा बोला । स्वयं महारानी कर्मवती अब लड़ाई के लिए तैयार हुईं । अपनी कमजोरी का खयाल करके उनके मन में एक विचार आया। क्यों न दिल्ली के बादशाह हुमायूँ को राखी भेजूँ । उन्होंने पहले हुमायूँ की उदारता की बहुत-सी कहानियाँ सुनी थीं । चटापट एक दूत के हाथ हुमायूँ के लिए राखी का तोहफा भेज दिया । हुमायूँ मुगल था, पर हिन्दुओं के रक्षा-बंधन का महत्व समझता था । महारानी की राखी देख कर वह खिल उठा । राखी के पीछे बहन के स्नेहभाव को वह ठीक-ठीक समझ गया । उसने दूत से कहा- ''सैनिक ! बहन कर्मवती से कहना कि उनकी राखी मिली । मैं बड़ा ही खुशकिस्मत हूँ । उन्होंने मुझे भाई माना । अब कहो, मेरी बहन का सब कुशल मंगल है न ?''

दूत ने मेवाड़ का सारा हाल बता दिया । हुमायूँ ने फौरन अपने सेनापति को सेना के साथ मेवाड़ के लिए कूच करने का हुक्म दिया । वह खुद कुछ अंगरक्षकों को लेकर तेज घोड़ों पर सवार हो मेवाड़ की ओर भागा । हुमायूँ मेवाड़ पहुँचने को उतावला हो रहा था । पर चितौड़ पहुँचने में उसे कई दिन लग गए ।

उधर मेवाड़ में लड़ाई खत्म हो रही थी । राजा तो पहले ही अपने साथियों के संग वीरगति को प्राप्त हो गये थे । रानी की सैन्यशक्ति कमजोर हो गई । अंत में राजस्थान की क्षात्र-परंपरा के अनुसार मेवाड़ की सभी नारियों ने कर्मवती के साथ मिलकर जौहर किया । धधकती आग की लपटों में रानी विलीन हो गईं ।

तब हुमायूँ वहाँ पहुँचा । उसके आने की खबर पाते ही दुश्मन नौ दो ग्यारह हो गए । बादशाह हुमायूँ की आँखों में आँसू भर आए । चिता के पास खड़े होकर उसने कहा– मेरी प्यारी बहन, मैं तुम्हारी रक्षा न कर सका । मैं कितना बदनसीब हूँ । लेकिन मैं तुम्हारे प्यार को अब ज्यादा महसूस करता हूँ । मैं कसम खाकर कहता हूँ कि अब मेवाड़ पर कोई भी आँख उठाकर नहीं देख सकता । अल्लाह हम दोनों को अगले जनम में जरूर मिलाये । खुदा हाफिज !

आज भी भारत में जो कोई इस घटना को याद करते हैं, उनकी आँखें तर हो जाती हैं । वे भाई और बहन के पाक़ रिश्तेकी दाद देते हैं ।

स्नेहलता दास

शिक्षक के लिए :

शिक्षक पहले छात्रों से पूछेंगे कि वे राखी पूर्णिमा कैसे मनाते है। इसके बाद वे विभिन्न प्रांतों मे राखी पूर्णिमा कैसे मनाई जाती है उससे छात्रों को परिचित कराएँगे।

शब्दार्थ :

शब्द		अर्थ
धागा	–	सूत
आसानी	–	सरलता
कलई	–	हथेली के नीचे वाला हिस्सा
मशहूर	–	प्रसिद्ध
हमला	–	आक्रमण
बादशाह	–	सम्राट, राजा
तोहफा	–	उपहार
खिल उठा	–	प्रसन्न हुआ
खुश किस्मत	–	भाग्यशाली
हाल	–	अवस्था, समाचार
फौरन	–	तुरंत
कूच करना	–	युद्ध के लिए निकलना
उतावला	–	अस्थिर
वीरगति को प्राप्त होना	–	युद्ध में मृत्यु होना
जौहर करना	–	आग में कूदकर मर जाना
धधकती आग	–	जलती अग्नि
लपट	–	शिखा
नौ दो ग्यारह होना	–	भाग जाना
आँसू	–	अश्रु
बदनसीब	–	भाग्यहीन

महसूस करना	–	अनुभव करना
कसम खाना	–	प्रतिज्ञा करना
आँख उठाना	–	बुरी दृष्टि से देखना, हानि करने की चेष्टा करना
आँखें तर होना	–	रोना
पाक़	–	पवित्र
दाद देना	–	प्रशंसा करना
रिश्ता	–	संबंध

अनुशीलनी

प्रश्न १. निम्नलिखत प्रश्नों के उत्तर बताइए :

(i) कौन-सा धागा स्नेह क धागा होता है ?
(ii) कौन जान की बाजी लगाकर बहन की रक्षा करता है ?
(iii) कौन हारना नहीं जानते ?
(iv) मेवाड़ की महारानी का नाम क्या था ?
(v) रानी ने किसके हाथ राखी भेजी ?
(vi) जौहर करना किसकी परंपरा है ?
(vii) 'मैं तुम्हारी रक्षा न कर सका।' यहाँ कौन किसकी रक्षा न कर सका ?

प्रश्न २. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) राखी पूर्णिमा के दिन भाई–बहन क्या करते हैं ?
(ii) अहमद शाह के पहले हमले का परिणाम क्या हुआ ?
(iii) अपनी कमजोरी का खयाल करके कर्मवती ने क्या किया ?
(iv) राखी मिलने पर हुमायूँ ने दूत से क्या कहा ?
(v) दूत से मेवाड़ का हाल सुनकर हूमायूँ ने क्या किया ?
(vi) सैन्यशक्ति को कमजोर देखकर कर्मवती ने क्या किया ?
(vii) हूमायूँ ने कसम खाकर क्या कहा ?

प्रश्न ३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में दीजिए :

(i) बटा हुआ धागा कैसे टूट सकता है ?

(ii) कौन सा धागा कभी नहीं टूटता ?

(iii) मेवाड़ किस राज्य में है ?

(iv) मेवाड़ के राणा की पत्नी का नाम क्या था ?

(v) हुमायूँ कहाँ के बादशाह थे ?

(vi) कर्मवती ने हुमायूँ के लिए क्या भेजा ?

(vii) हुमायूँ ने अपने सेनापति को क्या हुक्म दिया ?

(viii) हुमायूँ के आने की खबर पाकर दुश्मन ने क्या किया ?

प्रश्न ४. पाठ के आधार पर उपयुक्त शब्दों से शून्यस्थानों को भरिए :

(i) भाई बहन के लिए ..... लगाता है । (जान की बाजी, प्राणों का बलिदान)

(ii) हुमायूँ..... था । (तुर्क, मुगल)

(iii) दुश्मन ..... हो गए । (एक दो तीन, नौ दो ग्यारह)

(iv) ..... ने मेवाड़ पर हमला किया । (हुमायूँ, अहमद शाह, सतार खाँ)

प्रश्न ५. सही विकल्प चुनिए :

(क) भाई जान की बाजी लगाकर बहन की रक्षा करता है । क्योंकि-

(i) बहन बदले में उसे रुपये देती है ।

(ii) बहन भाई के हाथ में स्नेह से राखी बाँधती है ।

(iii) बहन से वह बहुत डरता है ।

(iv) यह न करने से लोग बुरा मानेंगे ।

(ख) कर्मवती हुमायूँ को राखी भेजती है। क्योंकि–

(i) कर्मवती बहन के रूप में हुमायूँ से सहायता चाहती है।

(ii) मुगल बादशाह हुमायूँ से कर्मवती डरती थी।

(iii) हुमायूँ को राखी के बारे में कुछ मालूम नहीं था।

(iv) बदले में कर्मवती हुमायूँ से मिठाई पाना चाहती थी।

(ग) मेवाड़ की सभी रानियों ने कर्मवती के साथ मिलकर जौहर किया, क्योंकि-

(i) कर्मवती को हुमायूँ ने सहयता नहीं की।

(ii) रानी की हार हो गयी थी।

(iii) कर्मवती अहमद शाह को डरा देना चाहती थी।

(iv) आत्म-सम्मान की रक्षा के लिए यह राजस्थान की क्षात्र परंपरा है।

भाषा कार्य :

खिल उठना	-	प्रसत्र होना
कूच करना	-	युद्ध करने के लिए निकलना
वीरगति को प्राप्त होना	-	युद्ध में मृत्यु होना
नौ दो ग्यारह होना	-	भाग जाना
आँख उठाना	-	आक्रमण करना

इन्हें मुहावरा कहा जाता है।

प्रश्न ६. ऊपर लिखे मुहावरों के सही रूप लगाकर वाक्यों को पूरा कीजिए :

(i) मेवाड़ के राजा ..... ।

(ii) हुमायूँ राखी देखकर ..... ।

(iii) हुमायूँ ने मेवाड़ के लिए ..... ।

(iv) जो भी भारत की ओर ..... हम उसे नहीं छोड़ेंगे ।

(v) पुलिस के आते ही चोर ..... ।

प्रश्न ७. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए :

मूल वाक्य	परिवर्तित वाक्य
राजा वीरगति पाता है।	राजा ने वीरगति पाई।
वह दूर से कहता है।	.....
वह मुझे भाई मानती है।	.....
दुत हाल बता देता है।	.....
चिता के पास खड़े होकर वह कहता है	.....

प्रश्न ८. नीचे लिखे 'क' विभाग के विशेषणों साथ 'ख' विभाग के विशेष्यों (संज्ञाओं) का मिलान कीजिए :

(क)	(ख)
कमजोर	दिन
अपनी	बहन
पाक	कमजोरी
प्यारी	सैन्यशक्ति
कई	रिश्ते

९. कोष्ठक में दिए गए परसर्गों से खाली जगहें भरिए:

(ने, का, से, की, में)

(i) स्नेह का धागा आसानी..... टूटता नहीं।

(ii) बहन भाई के मुँह ..... मिठाई भर देती है।

(iii) मेवाड़ राजस्थान .....एक राज्य है।

(iv) राजा ..... वीरगति पाई।

(v) हम् इस घटना ..... याद करते हैं।

आपके लिए काम :

आप अपनी कथा के छात्र-छत्रओं से मिलकर ऩ का बंधन एकोकी का मंचन कीजिए। आप अपने शिक्षक/शिक्षिका का सहयोग लेकर इस कहानी को नाट्य रूप देकर अभिनय कीजिए।